वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन विज्ञान केंद्र (VVK) द्वारा वित्त पोषित
"औषधीय पौधशाला तकनीक, औषधीय खेती एवं रख रखाव"
विषय पर आयोजित प्रशिक्षण, दिनांक 07.01.2020

वन उत्पादकता संस्थान के निदेशक के निर्देशन में "औषधीय पौधशाला तकनीक, औषधीय खेती एवं रख रखाव" विषय पर दिनांक 07.01.2020 को वन विज्ञान केंद्र (VVK) एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा वित्त पोषित वन विज्ञान केंद्र हाजीपुर, जदुआ, पटना में एक दिवसीय प्रशिक्षण वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आयोजित किया गया| प्रभारी पदाधिकारी, वन अनुसंधान विस्तार केंद्र ,जदुआ, पटना के वैज्ञानिक श्री आदित्य कुमार ने संक्षिप्त परिचय कराते हुए कार्यक्रम की रूप–रेखा प्रस्तुत की एवं प्रशिक्षण के आवश्यकता की चर्चा की | श्री आदित्य कुमार ने विशेषकर आंवला, हर्रा, बहेरा, त्रिफला चूर्ण, अश्वगंधा आदि औषधीय पौध पर खेती, संरक्षण एवं उनके महत्व पर प्रतिभागियों से चर्चा की |

पान अनुसंधान केंद्र, नालंदा के वैज्ञानिक डा. प्रभात कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहार राज्य के विभिन्न प्रमंडल के वनकर्मी एवं किसानों को औषधीय पौध पौधशाला की तकनीकी विधि से अवगत कराया तथा औषधीय पौधे जैसे एलो–वेरा, तुलसी, पुदीना, अजवाइन, कालमेघ, आंवला, हर्रा, पानपत्ती, मुसली, सर्पगंधा, सतावर, लेमनग्रास, स्टीविया, इसबगोल आदि को पौधशाला में उगाये जाने एवं उनके रोगमुक्त उपचार पर भी चर्चा की | डा. प्रभात कुमार द्वारा प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर दिया गया एवं औषधीय पौध एवं सुगंधित पौध के संरक्षण के साथ–साथ उपयोगिता के बारे में चर्चा हुई | पौधशाला का क्षेत्र भ्रमण भी कराया गया |

इस प्रशिक्षण में 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया | प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन वन उत्पादकता संस्थान, रांची के वैज्ञानिक श्री आदित्य कुमार ने किया | श्री एस. एन.वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री डी.एन.पांडे, तकनीकी अधिकारी एवं श्री संजीव कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम मे अहम योगदान दिया |

वन विज्ञान केंद्र (VVK) द्वारा वन विज्ञान केंद्र जदुआ में औषधीय पौध पर खेती एव संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम का झलक

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन विज्ञान केंद्र (VVK) द्वारा वित्त पोषित

"बांस की खेती, मूल्य वर्धन एवं प्रबंधन"

विषय पर आयोजित प्रशिक्षण, दिनांक 08.01.2020

वन उत्पादकता संस्थान के निदेशक एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान) के निर्देशन में **"बांस की खेती, मूल्य वर्धन एवं प्रबंधन"** विषय पर प्रशिक्षण दिनांक 08.01.2020 को वन विज्ञान केंद्र (VVK) एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा वित्त पोषित वन विज्ञान केंद्र, जदुआ में एक दिवसीय प्रशिक्षण वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आयोजित किया गया | प्रभारी पदाधिकारी,वन अनुसंधान विस्तार केंद्र, हाजीपुर, जदुआ, पटना के वैज्ञानिक श्री आदित्य कुमार ने संक्षिप्त परिचय कराते हुए कार्यक्रम की रूप–रेखा प्रस्तुत की एवं प्रशिक्षण के आवश्यकता पर प्रकाश डाला | इनके द्वारा बांस की प्रजातियों तथा पौधशाला में बांस पौध उत्पादन के विभिन्न तकनीक (different propagation techniques of Bamboos: Culm cutting, Branch cutting, Layering, Rhizome method, Micro propagation) पर चर्चा की गयी | इन्होने बांस कृषि–वानिकी आधारित खेती पर चर्चा की तथा एवं बांस द्वारा अतिरिक्त आमदनी प्राप्त करने का जरिया समझाया । बांस की उपयोगिता एवं विभिन्न हस्तशिल्प, सौंदर्य संसाधन वस्तु द्वारा मूल्यवर्धन के बारे में जानकारी प्रदान की । सामान्य उत्पाद में सूप, टोकरी, पंखा, सोफा, टेबल, चटाई, टेबल लैम्प आदि इसके अतिरिक्त गहने आदि बनाकर भी मूल्य वर्धन पर भी चर्चा की गई |

प्रतिभागियों को जदुआ केंद्र के बांस पौधशाला,आधुनिक पौधशाल, एवं अगरबत्ती बनाने की इकाई का भ्रमण कराया गया | इस कार्यक्रम का संचालन संस्थान के विस्तार प्रभाग के श्री एस. एन. वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने किया | इस प्रशिक्षण में 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया| प्रशिक्षण कार्यक्रम को श्री एस. एन.वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री डी.एन.पांडे, तकनीकी अधिकारी एवं श्री संजीव कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने सफल बनाने में अहम योगदान दिया|

वन विज्ञान केंद्र (VVK) द्वारा वन विज्ञान केंद्र, जदुआ में “बांस की खेती, मूल्य वर्धन एवं प्रबंधन” प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा प्रदर्शन के झलक

वन विज्ञान केंद्र (VVK) द्वारा वन विज्ञान केंद्र, जदुआ में “बांस की खेती, मूल्य वर्धन एवं प्रबंधन” प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा प्रदर्शन के झलक

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन विज्ञान केंद्र (VVK) द्वारा वित्त पोषित
"कृषि–वानिकी द्वारा बिहार राज्य के ग्रामीणों को आजीविका"
विषय पर आयोजित प्रशिक्षण, दिनांक 09.01.2020

वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक के निर्देशन में **"कृषि–वानिकी द्वारा बिहार राज्य के ग्रामीणों को आजीविका" विषय पर दिनांक 09.01.2020** को वन विज्ञान केंद्र (VVK) एवं एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा वित्त पोषित वन विज्ञान केंद्र, जदुआ में एक दिवसीय प्रशिक्षण वन उत्पादकता संस्थान रांची द्वारा आयोजित किया गया| प्रभारी पदाधिकारी, वन अनुसंधान विस्तार केंद्र, हाजीपुर, जदुआ, पटना के वैज्ञानिक श्री आदित्य कुमार ने संक्षिप्त परिचय कराते हुए कार्यक्रम की रूप–रेखा प्रस्तुत की एवं प्रशिक्षण के आवश्यकता पर चर्चा की | श्री आदित्य कुमार ने कृषि–वानिकी के लिए पौध रोपण की विधियों से (Row Plantation, Block Plantation and Bund Plantation) प्रतिभागियों को अवगत कराया| कृषि–वानिकी में पोप्लर के विषय में बताते हुये उसे तीव्र गति से बढ़ने वाले प्रजाति के रूप में एवं इसे नाइट्रोजन ग्राही एवं उच्च उत्पादन मूल्य देनेवाला वृक्ष प्रजाति बताया। इसके साथ– साथ (Salix, Melia, Ulmus, Sisoo, Bamboo) इत्यादि आधारित कृषि–वानिकी प्रणाली जो कि बिहार राज्य के लिए उपयोगी हो सकते हैं पर चर्चा की । अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर आजीविका में सुधार किये जाने पर बल दिया गया| इसके अलावा पौधशाला तकनीक, वृक्षारोपण विधि, कीटनाशक प्रबंधन पर भी चर्चा किया| श्री दीना नाथ पांडे एवं श्री संजीव कुमार ने प्रतिभागियों को हाजीपुर, जदुआ की आधुनिक पौधशाला का भ्रमण कराया गया| प्रतिभागियों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर दिया गया| इस कार्यक्रम का संचालन संस्थान के विस्तार प्रभाग के श्री एस. एन.वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने किया| इस प्रशिक्षण में 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया| प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री एस. एन.वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री डी.एन.पांडे, तकनीकी अधिकारी एवं श्री संजीव कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने अहम योगदान दिया|

वन विज्ञान केंद्र (VVK) द्वारा वन विज्ञान केंद्र जदुआ में "कृषि–वानिकी द्वारा विहार राज्य के ग्रामीणो को आजीविका"" प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा प्रदर्शन का झलक